प्रश्नावली / अनुसूची

ग्रामीण स्थानीय नेतृत्व एवं सुशासन

अजमेर जिले की महिला सरपंचों के संदर्भ में अनुभवपरक अध्ययन

परिचय :–

उत्तरदात्री का नाम

श्रीमती

ग्राम पंचायत का नाम

जिला–अजमेर (राजस्थान)

1. उत्तरदात्री का आयु–वर्ग –

(अ) 21–35 वर्ष

(ब) 35–50 वर्ष

(स) 50–65 वर्ष

(द) 65 वर्ष से अधिक

2. जाति –

1) सामान्य 2) ओ.बी.सी. 3) अनुसूचित जाति 4) अनुसूचित जन–जाति

3. धर्म –

1) हिन्दू 2) मुस्लिम 3) सिक्ख 4) ईसाई

4. शैक्षणिक स्तर –

1) निरक्षर 2) साक्षर 3) प्राथमिक 4) माध्यमिक 5) स्नातक 6) स्नातकोत्तर

5. वैवाहिक स्थिति –

अविवाहित / विवाहित / विधवा / तलाकशुदा

6. विवाह के समय आयु –

7–12 वर्ष

12–15 वर्ष

15–18 वर्ष

18 वर्ष से अधिक

7. पारिवारिक इकाई क्या है?

(1) एकल (2) संयुक्त

8. परिवार की आर्थिक स्थिति –

1) अच्छी 2) सामान्य 3) निम्न

9. व्यवसाय –

1) कुटीर उद्योग 2) कृषि 3) व्यापार 4) अन्य व्यवसाय 5) अन्य

10. आपकी पारिवारिक आय क्या है?

1) 10000 से 25000 2) 25000 से 50000 तक 3) 50000 से 75000

4) 75000 से अधिक

11. आपके या परिवार के मुखिया के नाम कितनी जमीन हैं?

1) सिंचित 2) असिंचित

3) सिंचित / असिंचित / बंजर 4) भूमिहीन

ग्रामीण स्थानीय नेतृत्व के सुशासन के प्रति चेतनता एवं क्रियान्विति के दृष्टिकोणों से सम्बन्धित प्रश्न :–

1. स्थानीय स्तर पर बढ़ते हुए नेतृत्व को देखते हुए क्या आप निम्नलिखित पंचायती राज संस्थाओं के बारे में जानकारी रखती है?

   (अ) ग्राम सभा हाँ/नहीं

   (ब) ग्राम पंचायत हाँ/नहीं

   (स) पंचायत समिति हाँ/नहीं

   (द) जिला परिषद हाँ/नहीं

2. क्या आप वर्तमान लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण की व्यवस्था को उपर्युक्त मानती है?

   हाँ/नहीं

3. क्या आप स्थानीय स्वशासन के विकास हेतु सुशासन के बारे में जानकारी रखती है?

   हाँ/नहीं

4. आप सुशासन के उद्देश्य हेतु राजनीति को नेतृत्व की दृष्टि से किसका क्षेत्र मानती है?

   पुरुष/महिला/दोनों का

5. पंचायतों में सुशासन हेतु नियमित बैठकें आवश्यक है। क्या आप बैठकों की पूर्ण जानकारी रखती है?

   हाँ/नहीं

6. क्या आप पंचायत की बैठकों में भाग लेती है?

   नियमित/कभी–कभी/बिल्कुल नहीं

7. यदि नहीं, तो क्या कारण है कि आप पंचायत की बैठकों में नियमित भाग नहीं ले पाती है?

(1) पारिवारिक उत्तरदायित्व

(2) दूरी

(3) स्वास्थ्य सम्बन्धी

8. क्या आप सरकार द्वारा गाँवों में चलाई जा रही लोककल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी रखती है?

हाँ / नहीं

9. क्या आपको गाँव में सुशासन हेतु महिला विकास के लिए चलने वाले कार्यक्रमों के सम्बन्ध में जानकारी है?

(1) जननी सुरक्षा योजना हाँ / नहीं

(2) प्रसूति व्यवस्था हाँ / नहीं

(3) आँगनबाड़ी कार्यक्रम हाँ / नहीं

(4) विधवा पेंशन योजना हाँ / नहीं

(5) प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन हाँ / नहीं

10. क्या आपको सूचना के अधिकार के सम्बन्ध में जानकारी है?

पूर्ण जानकारी

आंशिक जानकारी

नहीं जानती

11. क्या आप जानती है कि सूचना का अधिकार कानून कब आया?

2005 / 2001 / 2002 / पता नहीं

12. क्या आप जानती है कि सुशासन के लिए सूचना के अधिकार की क्या उपयोगिता है?

(1) पारदर्शिता लाने में उपयोगी

(2) आमजन को सशक्त करने में उपयोगी

(3) शासन में सहभागिता बढ़ाने में उपयोगी

(4) भ्रष्टाचार तथा अनियमितता को कम करने में उपयोगी

(5) महिलाओं के लिए उपयोगी

(6) नहीं जानती

13. क्या आप जानती है कि ग्राम पंचायत में विकास के लिए कितना धन प्राप्त होता है?

हाँ / नहीं / कह नहीं सकती

14. क्या आपको ग्राम पंचायत में होने वाले भ्रष्टाचार तथा अनियमितताओं की जानकारी है?

हाँ / नहीं

15. यदि हाँ तो किस प्रकार के भ्रष्टाचार की जानकारी है?

(1) पंचायत सम्बन्धी आवंटित कार्यों के वर्क आर्डर के लिए कमीशन — हाँ / नहीं

(2) धन का दुरुपयोग — हाँ / नहीं

(3) बिचौलियों का दबदबा — हाँ / नहीं

(4) पटवारी, ग्रामसेवक द्वारा पैसे लेकर काम करना — हाँ / नहीं

(5) आँकड़ों के रख–रखाव में गड़बड़ी — हाँ / नहीं

(6) योजनाओं का लाभ प्राप्त करने वालों से पैसे लेना — हाँ / नहीं

16. भ्रष्टाचार को कैसे कम किया जाए के सम्बन्ध में क्या आप जानती है?

(1) योजनाओं के क्रियान्वन में पारदर्शिता रखी जाए हाँ/नहीं

(2) सूचना के अधिकार को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए हाँ/नहीं

(3) अधिकारियों की उपस्थिति नियमित की जाए हाँ/नहीं

(4) ईमानदारी तथा कर्त्तव्यनिष्ठा को बढ़ाया जाए हाँ/नहीं

(5) महिला प्रतिनिधियों व अधिकारियों के बीच समन्वय हो हाँ/नहीं

(6) जनप्रतिनिधि का शिक्षित होना अनिवार्य हाँ/नहीं

(7) भ्रष्टाचार के विरोध में लोकमत उत्पन्न किया जाए हाँ/नहीं

(8) कार्य करवाने की तय सीमा निर्धारित की जाये हाँ/नहीं

(9) गैर सरकारी संस्था मीडिया की भूमिका को बढ़ावा हाँ/नहीं

17. आप ग्राम पंचायत द्वारा किये जाने वाले कार्यों में पारदर्शिता रखती है?

हाँ/नहीं

18. यदि हाँ तो किस प्रकार की पारदर्शिता रखती है?

(1) आँकड़ों को व्यवस्थित रखकर हाँ/नहीं

(2) समय–समय पर सूचनाओं का प्रचार प्रसार हाँ/नहीं

(3) पंचायत से सम्बन्धित सूचनाओं को सार्वजनिक करके हाँ/नहीं

(4) जनसुनवाई हाँ/नहीं

19. क्या आपके द्वारा शासन से सम्बन्धित जनोपयोगी सूचनाओं को प्रदान किया जाता है?

हाँ/नहीं

20. यदि हाँ तो जनोपयोगी सूचनाओं को किस प्रकार प्रदान किया जाता है के सन्दर्भ में प्रतिक्रिया

(1) स्वतः

(2) माँग किये जाने पर

(3) नहीं जानती

21. आपको प्राप्त शक्तियों का निर्वहन आप किस तरह करती है?

(1) समय–समय पर क्षेत्र में निरीक्षण द्वारा

(2) सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों से सम्पर्क

(3) परिवार के सदस्यों का सहयोग

(4) पति के सहयोग द्वारा

22. आपके द्वारा सुशासन के विकास के लिए ग्राम सभा में पारदर्शिता तथा जवाबदेहिता को बढ़ाने का प्रयास किया जाता है?

हाँ / नहीं

23. सुशासन हेतु राजनीतिक सहभागिता आवश्यक सूचकांक है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए क्या आप राजनीति में सहभागिता रखती है?

हाँ / नहीं

24. क्या आपके परिवार का कोई सदस्य राजनीति में है?

हाँ / नहीं

25. यदि हाँ तो कौन ?

(1) सास / ससुर	हाँ / नहीं
(2) पति	हाँ / नहीं
(3) जेठ / देवर	हाँ / नहीं
(4) भाई / भाभी / बहिन	हाँ / नहीं
(5) स्वयं	हाँ / नहीं
(6) अन्य	हाँ / नहीं

26. राजनीति में प्रवेश के लिए आपको किसका समर्थन प्राप्त हुआ?

(1) राजनीतिक दल हाँ / नहीं

(2) पारिवारिक समर्थन हाँ / नहीं

(3) जातिगत समर्थन हाँ / नहीं

(4) मित्रों का समर्थन हाँ / नहीं

(5) महिलाओं का समर्थन हाँ / नहीं

27. हाँ तो राजनीति में प्रवेश के लिए प्रेरक कारक कौन–कौनसे है?

(1) सत्ता प्राप्ति हाँ / नहीं

(2) पारिवारिक इच्छा एवं दबाव हाँ / नहीं

(3) स्वयं की इच्छा हाँ / नहीं

(4) सामुदायिक कार्यों में रुचि हाँ / नहीं

(5) आर्थिक लाभ हाँ / नहीं

(6) आरक्षण हाँ / नहीं

28. आपकी राजनीतिक जानकारी प्राप्त करने के साधन क्या है?

(1) परिवार के सदस्यों द्वारा हाँ / नहीं

(2) रेडियो व टी.वी. द्वारा हाँ / नहीं

(3) विकास अधिकारियों द्वारा हाँ / नहीं

(4) समाचार पत्रों द्वारा हाँ / नहीं

(5) मित्र समूह द्वारा हाँ / नहीं

(6) सचिव द्वारा हाँ / नहीं

(7) अन्य माध्यमों द्वारा हाँ / नहीं

29. क्या आप जानती है कि प्रतिनिधि बनने से पारिवारिक निर्णय शक्ति में अभिवृद्धि हुई है?

हाँ / नहीं / पता नहीं

30. क्या आप मानती है कि महिलाओं के शिक्षित होने से सुशासन के विकास को गति मिलेगी?

हाँ / नहीं

31. पंचायत में ऐसे कौनसे मुद्दे है? जिनके निर्णय में आप भागीदारिता चाहती है?

(1) वित्त सम्बन्धी हाँ / नहीं

(2) ग्राम विकास सम्बन्धी हाँ / नहीं

(3) अंतिम निर्णय प्रक्रिया में हाँ / नहीं

(4) अन्य कोई हाँ / नहीं

32. क्या आप मानती है कि सुशासन के विकास एवं महिला नेतृत्व को बढ़ावा देने हेतु पंचायतों में आरक्षण से महिलाओं की स्थिति में परिवर्तन आया है?

हाँ / नहीं

33. यदि हाँ, तो कैसे परिवर्तन आया है?

(1) महिलाओं की राजनीतिक सक्रियता में वृद्धि हाँ / नहीं

(2) अधिकार एवं कर्त्तव्य के प्रति जानकारी एवं सचेतना हाँ / नहीं

(3) महिलाओं की समस्याओं का समाधान हाँ / नहीं

(4) व्यवस्था में सहभागी बनने की लालसा हाँ / नहीं

34. क्या आप जानती है कि केन्द्र एवं राज्य स्तर पर महिला नेतृत्व की सक्रियता से ग्रामीण महिला नेतृत्व एवं सुशासन से महिलाओं की स्थिति में सकारात्मक परिवर्तन आया है?

हाँ / नहीं

35. क्या आप जानती है कि सुशासन के विकास हेतु महिलाओं को अधिकार प्रदान करने से उनकी स्थिति में परिवर्तन आया है?

हाँ / नहीं

36. यदि हाँ, तो क्या परिवर्तन आया है?

(1) जीवन स्तर में सुधार सहमत / असहमत

(2) रोजगार के अवसरों में वृद्धि सहमत / असहमत

(3) अधिकार व शक्ति में वृद्धि सहमत / असहमत

(4) राजनीतिक चेतना में वृद्धि सहमत / असहमत

37. सुशासन के विकास हेतु क्या आपकी ग्राम पंचायत में महिलाओं से सम्बन्धित योजनाओं का क्रियान्वन हुआ है?

हाँ / नहीं

38. यदि हाँ, तो आपकी ग्राम पंचायत में महिलाओं के लिए संचालित योजनाओं से महिलाएँ किस प्रकार लाभान्वित हो रही है?

(1) आर्थिक स्थिति में सुधार सहमत / असहमत

(2) जीवन स्तर में सुधार सहमत / असहमत

(3) बचत एवं निवेश प्रक्रिया में सक्रियता सहमत / असहमत

(4) सामाजिक स्थिति में बढ़ोत्तरी सहमत / असहमत

39. आपने अपने क्षेत्र में सुशासन की प्राप्ति हेतु कौनसे कार्य करवाए?

(1) शिक्षा की गुणवत्ता हेतु विद्यार्थियों की उपस्थिति को बढ़ावा हाँ / नहीं

(2) मनरेगा में भ्रष्टता दूर करना हाँ / नहीं

(3) पंचायत के कार्यों में पारदर्शिता हाँ / नहीं

(4) सूचना के अधिकार की जानकारी देना हाँ / नहीं

(5) महिला एवं बालिकाओं के स्वास्थ्य स्तर को बढ़ावा देना हाँ / नहीं

(6) संचार साधनों को उन्नत करना हाँ / नहीं

40. सुशासन को गति प्रदान करने हेतु आपकी ग्राम पंचायत में कौन–कौनसे कार्य होते रहे है?

(1) विकास सम्बन्धी हाँ / नहीं

(2) गरीबों की सहायता सम्बन्धी हाँ / नहीं

(3) शिक्षा की गुणवत्ता हेतु शिक्षकों को प्रशिक्षण एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति हाँ / नहीं

(4) पानी की व्यवस्था हाँ / नहीं

(5) नालियों का निर्माण हाँ / नहीं

(6) सड़कों का निर्माण हाँ / नहीं

(7) मनरेगा में पारदर्शिता हाँ / नहीं

(8) सूचना के अधिकार को बढ़ावा हाँ / नहीं

(9) महिलाओं एवं बालिकाओं के स्वास्थ्य स्तर को बढ़ाना हाँ / नहीं

41. पंचायती राज व्यवस्था के जनप्रतिनिधि होने के नाते आप सार्वजनिक कार्यों के लिए किससे सम्पर्क करती है?

(1) जिला प्रमुख हाँ / नहीं

(2) जिला प्रधान हाँ / नहीं

(3) जिलाधीश हाँ / नहीं

(4) बी.डी.ओ. हाँ / नहीं

42. आपको कार्य के दौरान किन व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त हुआ है?

(1) जनता का सहयोग हाँ / नहीं

(2) सहयोगी पंचों का सहयोग हाँ / नहीं

(3) शासकीय कर्मचारी का सहयोग हाँ / नहीं

(4) परिवार के सदस्य का सहयोग हाँ / नहीं

(5) महिलाओं का विशेष सहयोग हाँ / नहीं

43. सार्वजनिक कार्यों हेतु जनसामान्य से किस प्रकार सम्पर्क करती है?

(1) घर जाकर हाँ / नहीं

(2) चौपाल–बैठकों में हाँ / नहीं

(3) प्रभावी शिक्षकों द्वारा हाँ / नहीं

(4) संचार साधनों द्वारा हाँ / नहीं

(5) वरिष्ठ प्रभावी ग्रामीण जनद्वारा हाँ / नहीं

44. महिलाओं के राजनीतिक नेतृत्व एवं कार्यसक्षमता को लेकर आपका क्या दृष्टिकोण है?

(1) अच्छा

(2) बुरा

(3) तटस्थ

45. सुशासन को स्थापित करने हेतु क्या आप भविष्य में राजनीति में आना चाहेंगी?

हाँ / नहीं / पता नहीं

46. यदि, हाँ तो किस स्तर पर आप प्रतिनिधित्व करना चाहेंगी?

(1) पंचायत समिति

(2) जिला परिषद

(3) राज्य विधानसभा

(4) संसद

समस्याएँ / चुनौतियाँ

47. सुशासन के विकास के मार्ग को अवरुद्ध करने हेतु आपकी ग्राम पंचायत में सबसे बड़ी समस्या कौनसी है?

(1) शिक्षा की समस्या	हाँ / नहीं
(2) पानी की समस्या	हाँ / नहीं
(3) रोजगार की समस्या	हाँ / नहीं
(4) बच्चों की देखभाल की समस्या	हाँ / नहीं
(5) सड़क की समस्या	हाँ / नहीं
(6) शराब की समस्या	हाँ / नहीं
(7) शौचालय की समस्या	हाँ / नहीं
(8) अन्य	हाँ / नहीं

48. सुशासन स्थापित करने हेतु आपके राजनीतिक कार्यों में बाधा पहुँचाने वाले तत्व कौनसे है?

(1) अशिक्षा हाँ/नहीं

(2) पर्दा प्रथा हाँ/नहीं

(3) पुरुष वर्चस्व हाँ/नहीं

(4) महिला होना हाँ/नहीं

(5) अधिकारी वर्ग हाँ/नहीं

(6) सहयोगी हाँ/नहीं

(7) पारिवारिक कारण हाँ/नहीं

(8) अन्य हाँ/नहीं

49. एक महिला प्रतिनिधि होने के नाते आपको अपनी ग्राम पंचायत से सम्बन्धित कार्यों को करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

हाँ/नहीं

50. यदि हाँ, तो किस प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है?

(1) बजट की समस्या होना हाँ/नहीं

(2) कागज भरना नहीं आता हाँ/नहीं

(3) नियम नहीं मालूम हाँ/नहीं

(4) किस अधिकारी/व्यक्ति से सम्पर्क करें यह मालूम नहीं हाँ/नहीं

(5) अन्य हाँ/नहीं

51 आपने अपने क्षेत्र में सुशासन स्थापित करने हेतु उत्पन्न समस्याओं को सुलझाने के क्या–क्या प्रयास किये?

(1) प्रस्ताव रखा हाँ / नहीं

(2) दबाव बनाया हाँ / नहीं

(3) बहस की हाँ / नहीं

(4) जनसहयोग लिया हाँ / नहीं

(5) अधिकारियों से मिले हाँ / नहीं

52. क्या आपने अपनी ग्राम पंचायत से सम्बन्धित कार्यों को करने हेतु प्रशिक्षण प्राप्त किया है?

हाँ / नहीं

53 इस प्रशिक्षण के दौरान आपको क्या–क्या समस्याएँ आती है?

(1) प्रशिक्षण के दौरान रहने की व्यवस्था सही नहीं हाँ / नहीं

(2) समझ में नहीं आता भाषा जनसामान्य की न होना हाँ / नहीं

(3) प्रशिक्षणार्थियों में समन्वय एवं रुचि नहीं हाँ / नहीं

(4) अधिकारियों की उदासीनता व समन्वय का अभाव हाँ / नहीं

54. प्रशिक्षण के दौरान आपकी अनुपस्थिति के क्या कारण है?

(1) प्रशिक्षण स्थल का दूर होना हाँ / नहीं

(2) प्रशिक्षण स्थल तक जाने हेतु संसाधनों का अभाव हाँ / नहीं

(3) घरेलू व्यस्तता हाँ / नहीं

55. सुशासन के उद्देश्य की पूर्ति हेतु भविष्य में आप किस प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहती है?

(1) वित्त सम्बन्धी हाँ / नहीं

(2) योजना सम्बन्धी हाँ / नहीं

(3) शिक्षा व साक्षरता सम्बन्धी हाँ / नहीं

(4) नियमों एवं कानूनों की क्रियाविधि सम्बन्धी हाँ / नहीं

(5) कागजी कार्यों में दिक्कत होने से सम्बन्धित समाधान हाँ / नहीं

(6) अधिकारों सम्बन्धी हाँ / नहीं

56. क्या आप सूचना के अधिकार के क्रियान्वन हेतु कोई प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहती है?

हाँ / नहीं

57. आपके अनुसार अपने कार्यों को करने हेतु प्रशिक्षण कहाँ प्राप्त करना चाहती है?

(1) ग्रामीण स्तर पर हाँ / नहीं

(2) तहसील स्तर पर हाँ / नहीं

(3) जिला स्तर पर हाँ / नहीं

58. प्रशिक्षण की अवधि कितनी होनी चाहिए?

(1) दो दिन

(2) एक सप्ताह

(3) दो सप्ताह

(4) एक महीना

59. क्या आपको लगता है कि महिलाओं के लिए क्रियान्वित योजनाएँ, उनकी स्थिति सुधारने के लिए पर्याप्त है?

हाँ/नहीं

60 क्या आपको लगता है कि पंचायती राज व्यवस्था की कार्य पद्धति तथा विकास योजनाओं के कार्यान्वयन में सुधार होना चाहिए।

हाँ/नहीं

61. सुशासन के विकास हेतु ग्राम पंचायत में सुधार हेतु सुझाव कौन–कौन से है?

(1) ग्रामीण नेतृत्व का विकास	हाँ/नही
(2) शिक्षा का विकास	हाँ/नही
(3) सूचना के अधिकार का प्रचार प्रसार	हाँ/नही
(4) प्रशासन के कार्यों में पारदर्शिता	हाँ/नही
(5) प्रशासन के कार्यों में पारदर्शिता	हाँ/नही
(6) प्रशिक्षण प्रदान करने की समुचित व्यवस्था	हाँ/नही
(7) महिलाओं को जागरूक करना	हाँ/नही